

पर्यावरण पर आगामी वैश्विक शिखर सम्मेलन

[स्रोत: द हिंदू](#)

वर्ष 2024 में, [संयुक्त राष्ट्र](#) पृथ्वी के सबसे बड़े खतरों पर चर्चा करने के लिये चार महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित करने जा रहा है।

- ग्रह के लिये **प्रमुख खतरों में ग्लोबल वार्मिंग**, लुप्त होती वनस्पत और पशु प्रजातियाँ, उपजाऊ भूमि का [रेगसिस्तान](#) में बदलना तथा [महासागरों](#), वायु और भूमि में [प्लास्टिक प्रदूषण](#) शामिल हैं।
- आगामी चार प्रमुख सत्र:
 - **जैवविविधता पर सम्मेलन (CBD COP16): CBD COP16 कैली, कोलंबिया** में आयोजित किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य यह आकलन करना है कि देश वर्ष 2030 तक **ग्रह के 30% भूमि और समुद्री क्षेत्रों की** रक्षा करने के लिये वर्ष 2022 के मॉन्टरियल प्रतबिद्धता की दशा में कैसे आगे बढ़ रहे हैं।
 - **जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC COP 29): UNFCCC COP 29 बाकू, अज़रबैजान** में आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य [जलवायु वित्त](#) पर समझौतों को अंतिम रूप देने के साथ-साथ वित्तीय सहायता की गुणवत्ता एवं व्यापकता में सुधार करना है।
 - **मरुस्थलीकरण से निपटने के लिये संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD COP16): UNCCD COP16 रियाद, सऊदी अरब** में आयोजित किया जाएगा। चर्चा का उद्देश्य वर्ष **2030** तक **1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि** को बहाल करना और विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले चल रहे सूखे का प्रबंधन करना होगा।
 - **प्लास्टिक प्रदूषण संधि वार्ता**: यह **दक्षिण कोरिया** में आयोजित की जाएगी। वार्ता का अंतिम सत्र [प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिये एक वैश्विक संधि](#) के निर्माण पर केंद्रित होगा। इस संधि का उद्देश्य सभी वातावरणों - महासागरों, नदियों, झीलों और स्थलीय क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपटना है।

और पढ़ें: [UNFCCC](#)